!! जय बुन्देली !!

बुन्देलखण्ड की पावन धरती पर

!! जय बुन्देलखण्ड !!

महाकवि ईसुरी जयन्ती समारोह

दि. 3 अप्रैल 2020, शुक्रवार

बुन्देली विभूति कीर्ति कलश

एवम्

डॉ. डी.आर. वर्मा 'बैचेन' अभिनन्दन

सहयोग राशि-
150/- रु.

ईसुरी साहित्य शोध संस्थान, मेढ़की
राष्ट्रीय बुन्देली विकास परिषद्, स्यावरी (मऊरानीपुर) झाँसी

द्वारा प्रकाशित

जय ईसुरी ! ।। जय बुन्देली ।। वन्दे मातरम् !!

महाकवि ईसुरी जयन्ती समारोह

दिनांक 3 अप्रैल 2020 ई.

बुन्देली विभूति कीर्ति-कलश

" प्रथम स्मारिका "

ईसुरी जी द्वारा रचित श्री शारदा बंदना

मोरी खबर शारदा लइये, कण्ठ बिराजी रइये।
मैं अपड़ा अक्षर नई जानत, भूली कड़ी मिलइये।।
तोरे डेरां हिंग लाज में, ना लौं फेरा दइये।
ईसुर कात शत्रु के बाने हमें छीन के लइये।।

नोट- अपरिहार्य कारणों से निश्चित तिथि को विमोचन नही हो सका।
इसके लिए खेद है।.....सम्पादक

प्रकाशक-

ईसुरी साहित्य शोध संस्थान (रजि.) मेंढ़की (मऊरानीपुर) झाँसी
राष्ट्रीय बुन्देली विकास परिषद्, स्यावरी (मऊरानीपुर) झाँसी बुन्देलखण्ड

मुद्रित-

जयभारत प्रेस, मऊरानीपुर मो. 9452995903, 6386278688

जय ईसुरी ! ।। जय बुन्देली ।। बन्दे मातरम्

महाकवि ईसुरी जयन्ती समारोह

दिनांक 3 अप्रैल 2020 ई.

को प्रकाशित

बुन्देली विभूति कीर्ति कलश

" प्रथम स्मारिका "

संरक्षक मण्डल- मा. राजा बुन्देला राज्य मन्त्री/उपाध्यक्ष बुन्देलखंड विकास बोर्ड उ. प्र. शासन लखनऊ

मा. हरगोविन्द कुशवाहा राज्य मन्त्री उपाध्यक्ष राष्ट्रीय बौद्ध महासभा उ. प्र. शासन

डॉ. के.एल. वर्मा 'बिन्दु' भोपाल

डॉ. उमाशंकर खरे 'उमेश' पृथ्वीपुर

डॉ. रामनारायण शर्मा झाँसी

निर्देशक-

डॉ. एम.एल. प्रभाकर सेवा निवृत्त उच्च शिक्षा प्राचार्य

डॉ. एस.बी.एल. पाण्डेय अध्यक्ष अनामिका साहित्य परिषद्, मऊरानीपुर

डॉ. शिवाजी चौहान पूर्व प्राचार्य खैर इण्टर कॉलेज, गुरसरांय

सम्पादक ::
अमृतलाल वर्मा पत्रकार

सह-सम्पादक ::
वृन्दावनलाल वर्मा सेवानिवृत्त प्रवक्ता
डॉ. सत्येन्द्रसिंह प्रवक्ता गौरइया इं.का.
गैराहा जिला- झाँसी उ० प्र०

प्रकाशक-

ईसुरी साहित्य शोध संस्थान (रजि.) मेंढ़की (मऊरानीपुर) झाँसी

राष्ट्रीय बुन्देली विकास परिषद्, स्यावरी (मऊरानीपुर) झाँसी बुन्देलखण्ड

अनुक्रमणिका

1.	ईसुरी शोध संस्थान एक परिचय–डॉ. दयाराम वर्मा ''बैचेन''	4
2.	शुभासंशा–डॉ. रविशंकर पाण्डेय	5
3.	अमृत कामना–हृदयनाथ चतुर्वेदी ''चौबे''	5
4.	शुभाकामना–डॉ. दया दीक्षित	6
5.	शुभकामना संदेश–सन्तोष गंगेले 'कर्मयोगी'	7
6.	शुभकामना संदेश–आरिफ शहडोली	8
7.	शुभ सम्मति–अबधेश सिंह यादव	9
8.	आशीर्वाद–गीतिका बेदिका, अध्यक्ष	9
9.	आशीर्वचन– सन्तोषकुमार पटैरिया, पूर्व प्रवक्ता	10
10.	हृदयोदगार –डॉ. महेन्द्र भीष्म, न्यायाधीश,	10
11.	हार्दिक शुभकामना– हरगोविन्द कुशवाहा	11
12.	शुभकामना संदेश–डॉ. पुनीत बिसारिया	12
13.	शुभकामना संदेश–पुष्पेन्द्र सिंह परिहार, प्र.अ.	12
14.	सम्पादक की अपनी बात आप तक–अमृतलाल वर्मा पत्रकार,	13
15.	''ईसुरी एक परिचय'' –डॉ. डी. आर. वर्मा 'बेचैन'	15
16.	अथ श्री ईसुरी जन्मलग्न चक्रम्, ईसुरी के जीवन की घटनाओं सम्बन्धी फागें	16
17.	संयोग श्रृंगार	18
18.	ईसुरी की भक्ति भावना	19
19.	ईसुरी का स्वाध्याय	25
20.	रजउ और ईसुरी	26
21.	ईसुरी की प्रश्नावली व अटका सम्बन्धी फागें	28
22.	ईसुरी काव्य में आध्यात्म	30
23.	ईसुरी काव्य में प्रकृति चित्रण	31
24.	ईसुरी काव्य में अलंकार व कहावतें	32
25.	ईसुरी का नायिका भेद वर्णन	34
26.	वियोगिनी का चित्रण	34
27.	ईसुरी के काव्य में राष्ट्रीयता	35
28.	उपसंहार	36
29.	पंजीकरण करण प्रपत्र	37
30.	संस्था–ईसुरी साहित्य शोध संस्थान प्रबन्धक कारिणी समिति	38
31.	रसिक ईसुरी काव्य में रस राज –वृन्दावन लाल वर्मा	39
32.	ईसुरी बुन्देली रसराज –हास्य कवि हृदयनाथ चतुर्वेदी	43
33.	ईसुरी के सम्मान में चौकड़ियाँ –ज्ञान प्रकाश यादव	44
34.	बुन्देली के लोक कवि ईसुरी–बी. एस. सेंगर पूर्व डिपो मैनेजर,	45
35.	समीक्षा–ईसुरी की फाग:आध्यात्मिक प्रेम का दस्तावेज–डॉ.जवाहरलाल द्विवेदी प्राचार्य	49
36.	गारी– कौरोना रोग	50
37.	मन महीप के आचरण दृग दिमान कहि देत –डॉ. कॉमिनी डी.लिट्; सेंबढ़ा	51
38.	कौरोना पर ख्याल	52
39.	समीक्षा : फाग लोक के कवि:एक दृष्टि – के. एल. वर्मा 'बिन्दु'	53
39.	ईसुरी साहित्य में रजऊ–अमृतलाल वर्मा	54
40.	साहित्यकारन सें हौंत जोर बिन्ती– डॉ. डी. आर. वर्मा 'बेचैन'	55

डॉ. डी.आर. वर्मा-बेचैन-को-उनकी-कृति "बुन्देली-चौकड़िया-सागर" पर-राष्ट्रकवि-मैथिलीशरण गुप्त नामित पुरस्कार प्रदान करते महामहिम राज्यपाल उ.प्र. लखनऊ दि. 30-12-18

बुन्देलखण्ड की झलकी

बुन्देलखण्ड की नदियाँ –

बेतवा (वेत्रवती), सिंध, केन, धसान, उर, लखेरी, चम्बल आदि ।

बुन्देलखण्ड के औषधीय वृक्ष–

आंवला, नीम, सेमल, बबूल (कीकर), महुआ, बेर, अमरूद, आम, अनार, सेव आदि ।

बुन्देलखण्ड के प्रसिद्ध दुर्ग–

गढ़कुण्डार, झाँसी दुर्ग, ओरछा के मंदिर व किला, टहरौली, दुरबई, विजना, किला कालिंजर बरूआसागर, टीकमगढ़ दुर्ग ।

बुन्देलखण्ड के पहाड़–

विजय पर्वत, हंस पर्वत, चित्रकूट, कामदगिरि ।

बुन्देलखण्ड की वनस्पतियाँ जड़ी बूटी–

गुरूचि (गुरमें), गोखरु, सहसमूर, तिपनी, हड़जोरी स्नुही, थूहर, लाजवंती ।

बुन्देलखण्डी पहनावा–

पंचा, धोती, बंडी, अलफा, साफा (पुरुषों की टोपी) ।

बुन्देली व्यंजन–

समूदी रोटी, बरा, कड़ी, फुलका, चावल, शक्कर घी, चने की दाल, कालौनी (इन सबको एक साथ मीड़कर घी-शक्कर मिलाकर एक रूप बनाने पर कालौनी बनती है।), महुआ, बेर, मकोरा, मुरका लटा, मीड़ा, चीला, गुलगुला, मगौड़ी, भजिया, पूड़ी, पराठा, पनचतरू, गकरिया, अठवाई, खांकड़ा

प्रसिद्ध साहित्यकार कवि–

डॉ. वृन्दावनलाल वर्मा, डॉ. भगवानदास माहौर, रामचरण हयारण मित्र, मैथिलीशरण गुप्त लोककवि ईसुरी, रामसहांय कारीगर, विप्र घनश्यामदास पाण्डेय, पं. घासीराम व्यास आदि ।